टीबी पर जीत पा चुके लोगों को टीबी चैम्पियंस बनाने की मुहीम

दिल्ली, 13 अगस्त, 2021: दिल्ली-एनसीआर से टीबी की जंग जीत चुके 19 लोग एक क्षमता निर्माण कार्यशाला के लिए एक जुट हुए। इस बैठक का आयोजन यूनाइट टू एक्ट (एम्पलीफाइंग कम्युनिटी एक्शन फॉर टीबी एलिमिनेशन) प्रोजेक्ट के तहत दिल्ली स्टेट टीबी सेल के सहयोग से दो दशकों से टीबी पर काम कर रहे एन.जी.ओ संसथान 'रीच' द्वारा किया गया। 11 अगस्त से शुरू हुई तीन-दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य टीबी पर जीत पा चुके लोगों को टीबी चैंपियन बनने में सहयोग करना था।

इस कार्यशाला में डॉ. बी.के. वशिष्ठ, राज्य टीबी अधिकारी, नई दिल्ली; डॉ. अश्विनी खन्ना, सलाहकार, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम और दिल्ली के जिला टीबी अधिकारी डॉ. विशाल खन्ना उपस्थित थे। उन्होंने राजधानी के छह जिलों के टीबी चैम्पियंस से बातचीत की। टीबी चैंपियन की प्रमुख जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए, डॉ वशिष्ठ ने कहा, "टीबी केवल एक संक्रमण नहीं, बल्कि इससे जुड़ी कई अंतर्निहित सामाजिक धारणाएं हैं। ऐसे बहुत से टीबी सरवाईवर्स हैं, जिन्होंने उस कठिन समय में अपनी नौकरियां खो दी; कम आमदनी होने की वजह से काफी समय तक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं पाए, पर फिर भी अंत में उन्होंने इस बीमारी से धैर्यपूर्वक लड़ाई लड़ी और जीती। 2025 तक टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए हम सभी को एक साथ खड़ा होना होगा और टीबी से जुड़े तिरस्कार और भेद-भाव की भावना से लड़ना होगा।"

इस ट्रेनिंग का उद्देश्य टीबी से जीत चुके लोगों, यानि टीबी सरवाईवर्स को टीबी चैंपियन बनने में सक्षम बनाना था, ताकि वे टीबी से प्रभावित लोगों का सहयोग कर पाएं, साथ ही टीबी और कोविड-19 के बारे में समुदायों को जागरूक करें। कार्यशाला में टीबी चैंपियंस टीबी के बुनियादी विज्ञान, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) की संरचना, शहरी समूहों में प्रमुख टीबी मुद्दों, मनोसामाजिक समर्थन, एडवोकेसी, संचार, नेटवर्क निर्माण और खुद की देखभाल करने पर उन्मुख थे।

इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को टीबी की अवधारणाओं पर बात करने, समझने व् साथ ही टीबी से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करने का अवसर दिया गया। एक विशेष कहानी-साझाकरण सत्र के दौरान बोलते हुए, पश्चिमी दिल्ली के टीबी चैंपियन साहिल ने कहा, "मैं 11 वर्ष का था जब मुझे एच.आई.वी होने की पुष्टि हुई | मेरे समुदाय ने मुझे बाहर निकाल दिया और मुझे अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। कुछ वर्षों बाद पता चला कि मुझे मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट टीबी है, जिसका मैंने अपने कई शुभचिंतकों की देखभाल और समर्थन के सहारे अच्छी तरह से मुकाबला किया। अब मैं एक टीबी चैंपियन के रूप में टीबी से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनेपन की आशा को जीवित रखना चाहता हूं और उनका साथ देना चाहता हूँ।"

स्मृति कुमार, प्रोजेक्ट लीड, यूनाइट टू एक्ट, ने कहा, "इस परियोजना के माध्यम से, हम देश-भर में टीबी चैंपियंस और सामुदायिक भागीदारी को मुख्यधारा से जोड़ना चाहते हैं। यह परियोजना दिल्ली सहित दस राज्यों में लागू की जाएगी और हम टीबी-प्रभावित समुदायों को टीबी कार्यक्रम और अन्य हितधारकों के साथ प्रभावी ढंग से सहयोग करने के लिए टीबी उन्मूलन हेतु प्रयास करेंगे।"

चेन्नई से रीच की निदेशक, डॉ. रम्या अनंतकृष्णन ने कहा, "2016 से हम देश-भर में टीबी से प्रभावित लोगों के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें चैंपियन बनने में मदद कर रहे हैं। यह परियोजना हमें इस कार्य का और विस्तार करने और भारत में टीबी चैंपियंस के कैडर का विस्तार करने का अवसर प्रदान करती है। मैं सभी नए टीबी चैंपियंस से अपने समुदायों में काम करना शुरू करने, टीबी से प्रभावित लोगों को व्यक्तिगत देखभाल और सहायता प्राप्त करने में मदद करने के लिए आह्वान देती हूं, ख़ास तौर पर कोविड-19 महामारी के समय ये और भी ज़रूरी है।"

रीच के बारे में:

रिसोर्स ग्रुप फॉर एजुकेशन एंड एडवोकेसी फॉर कम्युनिटी हेल्थ (REACH) की स्थापना 1999 में तमिलनाडु में संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP) के तहत की गई थी। रीच अभी FIND के उप-प्राप्तकर्ता के रूप में यूनाइट टू एक्ट प्रोजेक्ट को लागू कर रहा है। दिल्ली इस परियोजना के लिए प्राथमिकता वाला राज्य है।

अन्य जानकारी के लिए सबीहा अंसारी से 9711818666 पर संपर्क करें, या media@reachindia.org.in पर ईमेल करें |